तीस वर्षीय युद्ध

कारण – * धार्मिक तनाव - कैथोलिक v/s प्रोटेस्टेंट
* केल्विनवादियों को आग्सबर्ग संधि में मान्यता नहीं मिली थी।
* बूर्बो एवं हैप्सबर्ग वंशों के बीच प्रतिस्पर्धा
* बाल्टिक राज्यों की महत्वाकांक्षा एवं बाल्टिक समुद्र में बढ़ता व्यापार
* निरंकुश राजाओं के बीच प्रधानता के लिए संघर्ष – पवित्र रोमन सम्राट v/s स्वायत्त जर्मन प्रांत

परिणाम –
* वेस्टफेलिया की संधि,
* धार्मिक पक्ष की तुलना में राष्ट्रीय, क्षेत्रीय धार्मिक पक्षों की प्रधानता,
* धार्मिक मतभेदों की समाप्ति
* आधुनिक राजव्यवस्था एवं अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का उदय
* आकार को नजरअंदाज करते हुए सभी संप्रभु राष्ट्रों की समानता,
* पोप की सर्वोच्चता का अंत,
* युद्ध संबंधि अंतर्राष्ट्रीय कानून,
* जर्मनी पिछड़ गया,

GENERAL STUDIES HINDI

Scanned by CamScanner

नए निरंकुश राजतंत्र : राष्ट्रीय राज्यों का उदय

* 15 वीं सदी के यूरोप में सामंती युद्ध, लूटमार, गृहयुद्ध (गुलाबों का युद्ध → ट्यूडर वंश) में शांति की आवश्यकता
* व्यापार का उत्थान एवं मध्यवर्ग एवं राजा में सहयोग, ~~सर्व कुलीनवर्ग~~
* युद्ध प्रणाली में आए परिवर्तन,
* रोमन कानूनों का प्रयोग - राजा की प्रधानता,
* भाषा आधारित राष्ट्रीय चेतना का उदय, (चौसे, दाँते जैसे कवि)
* मानवतावादी एवं राष्ट्रीय साहित्य (मैकियावली)
* धर्मयुद्ध, धर्मसुधार, पुनर्जागरण

प्रबोधन

"मैं सोचता हूँ, इसलिए मैं हूँ" - देकार्त

विशेषताएँ -
* अनुभूतिमूलक ज्ञान - इन्द्रियमूलक ज्ञान
* यांत्रिक ब्रह्मांड
मनुष्य की अच्छाई
प्रकृति की अच्छाई - विशेषकर रूसो
...स्ववाद

...तिक पहलू - मान्टेस्क्यू, लॉक, रूसो
मनुष्य अगर स्वभाव से विवेकशील एवं भला तो एक सक्षम ...रोपकारी संस्था का निर्माण कर सकता है।
...अमेरिकी एवं फ्रांस की क्रांति पर प्रभाव

...पहलू - केने - माँग एवं पूर्ति के नियम, स्मिथ - लेसेज फेयर
* वाणिज्यवाद की जगह मुक्त व्यापार

अमेरिकी क्रांति

150 साल के आंशिक स्वशासन के अनुभव ने ग्रेट ब्रिटेन और उपनिवेशों के बीच अटलांटिक से भी गहरी खाई पैदा कर दी थी।

कारण :- ब्रिटेन उस परंपरा का ही उल्लंघन कर रहा था, जो अमेरिकावासियों ने उन्हीं से विरासत में प्राप्त किया था।
* अपने लाभ के लिए उपनिवेशों की लूट 1763-73
* जहाजरानी कानूनों की शृंखला,
* अनेक कर जैसे स्टाम्प कर, चाय कर
* बोस्टन टी पार्टी के बाद इन्टोलरेबल एक्टस, प्रथम महाद्वीपीय अधिवेशन द्वारा इसे अवैध घोषित किया गया।
* ब्रिटिश वाणिज्यवादी नीतियाँ।

प्रभाव एवं महत्व
* लेसेज फेयर को मजबूती,
* फ्रांस की क्रांति में योगदान
* ब्रिटेन में राजतंत्र को सीमित करने में योगदान,
* संविधान, प्रबोधन के विचारों का कार्यान्वन,
* ब्रिटेन ने भारत की ओर ध्यान दिया, गोरे उपनिवेशों प्रति नीति परिवर्तन, - स्वशासी डोमिनियन
* गणतंत्र, जनतंत्र, संघवाद, संविधानवाद - अन्य ...
* ब्रिटेन - आयरिश संसद को स्वतंत्रता एवं आयरिश कैथोलिक लोगों को मताधिकार
*

http://gshindi.com

Scanned by CamScanner

फ्रांसीसी क्रांति

कारण - फ्रांस में ही क्यों :-

* फ्रांस की राजनीतिक एकता एवं भावनात्मक लगाव,
* आर्थिक रूप से प्रभावी, और सामाजिक - राजनीतिक रूप से प्रभावी वर्ग के पु० बीच विरोधाभास,
* चैतन्य बुर्जुआ वर्ग का उदय,
* विचारकों का प्रभाव
* विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की अनुपयोगिता
* प्रबुद्ध निरंकुशता की असफलता
* आर्थिक असंतुलन
* अमेरिकी क्रांति का प्रभाव
* ब्रिटेन की तरह कोई राजनैतिक संस्था नहीं, एस्टेट जनरल की
...क को ...5 साल (फ्रांसीसी राजतंत्र का गला उसकी निरंकुशता ने ही घोंट)
* लुई चौदहवें ने सामंतशाही को पूरी तरह कमजोर कर
...दिया था - (रक्षा की प्रथम पंक्ति का ढह जाना)

सामंत लड़ता है, पादरी पूजा करता है, सामान्य जन कर देता है)

...बुद्धिजीवियों की भूमिका :-

"इन दो व्यक्तियों (रूसो एवं वाल्टेयर) ने फ्रांस का सर्वनाश कर दिया।" — लुई सोलहवां

"...लेखन को नियंत्रित कर बूर्बों राजा अपने को बचा सकते थे।" — नेपोलियन

"यदि रूसो न हुआ होता तो फ्रांस में क्रांति न हुई होती।" — नेपोलियन

...न्टेस्क्यू - राजा के दैवीय सिद्धांत पर चोट
शक्ति पृथक्करण

...सो - स्वतंत्रता एवं समानता, जनता में संप्रभुता, "प्रकृति की ओर लौटो

वाल्टेयर - चर्च के विशेषाधिकारों पर चोट

GENERAL STUDIES HINDI
http://gshindi.com
Scanned by CamScanner

• क्वेसने - आर्थिक कार्यों में सरकारी हस्तक्षेप का विरोध,
• दीदरो - विश्वकोष

वास्तविक प्रभाव

- अप्रत्यक्ष प्रभाव
- क्रांतिकारी न होकर सुधारवादी
- वाल्टेयर - प्रशा के फ्रेडरिक महान (निरंकुश) के आदर्श

नेशनल असेंबली के कार्य — 1789-92

(*) मानवाधिकारों की घोषणा
• तीन सिद्धांत - कानून का शासन, समान व्यक्तिगत नागरिकता, जनता की संप्रभुता
• संपत्ति का अधिकार
(*) सामन्तवाद की समाप्ति
(*) प्रजातांत्रिक संविधान की रचना
(*) न्यायपालिका एवं प्रशासनिक व्यवस्था का पुनर्गठन,
(*) चर्च की संपत्ति का अधिग्रहण
(*) मुक्त व्यापार की नीति

GENERAL STUDIES HINDI

नेशनल कन्वेंशन (आतंक का राज्य) - (1792-95)

समस्या
(*) विदेशी युद्ध का अपने पक्ष में इस्तेमाल,
(*) गृहकलह और आर्थिक संकट,
(*) जैकोबियन - जेरोदिस्तो संघर्ष

संकटों का सामना करने के लिए सार्वजनिक सुरक्षा समिति,
गणतंत्र को किसी भी खतरे से निपटने के लिए - 'लॉ ऑफ ससपेक्ट'

उपलब्धियाँ :- * निम्न तबके की भलाई के कार्य :- निश्चित पारिश्रमिक दरें, राशनिंग व्यवस्था।
* विरोधियों का क्रूरता से दमन; वेण्डी, ब्रिटनी विद्रोह
* अनिवार्य सैनिक प्रथा लागू करना

http://gshindi.com

Scanned by CamScanner

जैकोबिनों की सफलता के कारण :-

(*) जेरोदिस्तों का ढुलमुल रवैया - उदारवादी रुख
  - विशेषकर राजा पर मुकदमे के दौरान
(*) युद्ध का जैकोबिन द्वारा अपने पक्ष में प्रयोग
  - एक सेनापति दोरामिओ (जेरोदिस्त) शत्रुओं से जा मिला,
  - आपातकालीन उपाय
(*) कल्याणकारी नीतियों से निम्न वर्ग का समर्थन

"क्रांति अपने पुत्रों का स्वयं निगल जाती है।"
- फ्रांस में जेरोदिस्तो एवं जैकोबिनों दोनों की हत्याएँ
- रूस में स्टालिन द्वारा ट्राटस्की
- ईरान में खुमैनी के भूतपूर्व क्रांतिकारियों के साथ
-

क्रांति का स्वरूप

* यह पूर्ण रूप से निश्चयात्मक थी। सभी क्रांतियों की तरह अनेक धक्कों एवं प्रतिघातों से शक्ति उग्रवादी दलों में स्थानान्तरित होती रहती है और यह क्रम तब तक चलता रहता है, जबकि, क्रांति की प्रारंभिक गति अंतिम रूप से समाप्त नहीं हो जाती।

* भीड़ की महत्वपूर्ण भूमिका
  - बास्तिल पतन,
  - सामंतवाद के विरुद्ध कृषकों का हथियार उठाना,
  - सरकार एवं न्यायालय को वर्साय से पेरिस स्थानान्तरित करना,
  -

* क्रांति का विश्वव्यापी चरित्र
  - मनुष्य तथा नागरिकों के अधिकारों की घोषणा,
  - बहुत से विदेशियों को आकृष्ट किया, जेम्सवाट के पुत्र के नेतृत्व में अंग्रेज शिष्ट मंडल
  - जेरोंदिस्तो अंतर्राष्ट्रीय क्रांति पार्टी बन गई
  - पूरे यूरोप और भारत में भी प्रभाव

* क्रांति का बुर्जुआई चरित्र
  - संपत्ति का अधिकार
  - सीमित मताधिकार
  - मुक्त व्यापार
  - ली चैपीलीयर कानूनों (श्रमसंघ विरोधी) को पुनर्जीवित किया गया।
  - उपनिवेशों में दासों का स्वतंत्रता नहीं
  - जन्म आधारित प्राचीन सामंतवाद की जगह धन आधारित सामंतवाद ने ले ली।

* क्रांति की उपलब्धियाँ :-

विवाद "मानवता के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घटना"
फॉन हरडर (जर्मन दार्शनिक)
  - एक सुविधासंपन्न वर्ग के स्थान पर दूसरे सुविधासंपन्न वर्ग को स्थापित किया।

* सामंतवाद की समाप्ति - अन्य यूरोपीय देशों पर भी प्रभाव
* लोकतंत्र के सिद्धांत का प्रतिपादन - शासन के दैवी सिद्धांत का अंत एवं मानवाधिकार
* राष्ट्रवाद
* धर्मनिरपेक्षवाद - शिक्षा, कल्याण आदि कार्य अब चर्च के स्थान पर राज्य द्वारा संपोषित एजेंसियों द्वारा। 1815 में चर्च की पुनर्स्थापना के बाद भी नई शिक्षा प्रणाली बनी रही।

GENERAL STUDIES HINDI

Scanned by CamScanner

* युद्ध की धारणा में परिवर्तन - अनिवार्य सैनिक सेवा-
नेपोलियन के साम्राज्यवाद का आधार निर्मित.
* कल्याणकारी राज्य
* समाजवादी आंदोलन का प्रेरणास्रोत - क्रांति के लाभों को अपने तक सीमित कर लेने के बुर्जुआ के प्रयासों से निराश हो क्रांति के दौरान प्रथम बार निम्न वर्ग के लोगों ने अपने को सामूहिक रूप से क्रियाशील बनाया।

उद्देश्य-उपलब्धियों में अंतर्संबंध :-

* राजतंत्र की समाप्ति क्रांति का उद्देश्य नहीं था।
* धार्मिक सहिष्णुता, परंतु चर्च की संपत्ति का राष्ट्रीयकरण उद्देश्य नहीं था।
* क्रांति का अंतर्राष्ट्रीकरण - यूरोपीय युद्ध के कारण।
* आतंकवादी सरकार की स्थापना भी उद्देश्य नहीं।
* निश्चित उद्देश्य और नेतृत्व के अभाव में क्रांति के स्वरूप में बदलाव आता रहा और उद्देश्य बदलता रहा।

जनता द्वारा नेपोलियन के समर्थन के कारण

* क्रांति की उथल-पुथल से ऊब,
* डायरेक्ट्री का भ्रष्ट एवं अयोग्य शासन,
* फ्रांस के विरुद्ध यूरोपीय राज्यों का द्वितीय गुट बनना,
एक शक्तिशाली शासक के रूप में वह क्रांति के ...वपूर्ण परिणामों को सुरक्षित रखने में समर्थ था।
उसकी विजयों के कारण बढ़ी उसकी लोकप्रियता

नेपोलियन के सुधार (As first counsel)

आर्थिक -

* नियमित रूप से कर अधिकारी की नियुक्ति - राज्य की आर्थिक स्थिति में सुधार,
* बैंक ऑफ फ्रांस की स्थापना
* सट्टेबाजी रोकना, स्टॉक एक्सचेंज पर नियंत्रण
* रोजगार के लिए उपाय - निर्माण कार्य

प्रशासनिक

* केंद्रीय एवं स्थानीय शासन का केंद्रीयकरण (क्रांति विरोधी)
*

शिक्षा के क्षेत्र में

* राष्ट्रीय शिक्षा योजना,
* 1802 में कठोर सरकारी नियंत्रण में लाइसीज की स्थापना, इसे देशभक्ति की शिशु पाठशाला के रूप में विकसित करने का लक्ष्य,
* यूनिवर्सिटी की स्थापना द्वारा शिक्षातंत्र का केन्द्रीकर...
* शोध कार्यों के लिए इन्स्टीट्यूट ऑफ फ्रांस,
* शिक्षकों के लिए ट्रेनिंग कॉलेज

नेपोलियन कोड

* सिविल विवाह एवं तलाक को मान्यता (चर्च की आवश्यकता नहीं)
* कानून की नजरों में सबकी समानता,
* धार्मिक स्वतंत्रता, धर्म निरपेक्ष राज्य की स्था...
* श्रमजीवियों के हितों की उपेक्षा

GENERAL STUDIES HINDI

Scanned by CamScanner

कौनकरडैट संधि (1801)

* पोप के साथ संधि, सामाजिक-धार्मिक कटुता दूर करने के लिए,
* चर्चों की जब्त संपत्ति पर अधिकार त्यागा,
* पादरियों की नियुक्ति राज्य की सलाह पर
* पादरियों के समर्थन की प्राप्ति.

नेपोलियन और फ्रांसीसी क्रांति के सिद्धांत

* **समानता का सिद्धांत** –
  - ✓ प्रतिभा तंत्र
  - ✓ नेपोलियन कोड में कानूनी समानता
  - * अपने परिवारिक सदस्यों की उच्च पदों पर नियुक्ति
  - * गणतंत्र समाप्त कर दिया
* **स्वतंत्रता का सिद्धांत** –
  - * गला घोंट दिया
  - * जनता को केवल नोटेबुल्स को चुनने का अधिकार, जिनके हाथ में कोई शक्ति नहीं
  - * अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कठोर नियंत्रण (समाचार पत्र 73 से घटकर 13)
  - * जासूसी जाल

विश्व बंधुत्व

* नेपोलियन द्वारा विजित राज्यों का शोषण
* महाद्वीपीय व्यवस्था

नेपोलियन का पतन

तीन बड़ी गलतियां – महाद्वीपीय व्यवस्था,
- स्पेन की उलझन,
- रूस पर आक्रमण

"स्पेन एक ऐसा घाव था, जिसने मुझे बरबाद कर दिया।" नेपोलियन

महाद्वीपीय व्यवस्था
- इसी के कारण इबेरियन प्रायद्वीप की राजनीति में उलझ
- रूस पर आक्रमण करना पड़ा

उसके साम्राज्य के विरोधाभास

* फ्रांसीसी आधिपत्य v/s राष्ट्रवाद
* पारिवारिक वंशवाद v/s आधुनिक राष्ट्रवाद
* लोक प्रभुसत्ता v/s तानाशाही
* आर्थिक नीति

महाद्वीपीय व्यवस्था

* ट्राफलगर में फ्रांसीसी नौसेना नष्ट
* उसके बाद यूरोपीय बंदरगाहों पर ब्रिटेन के सामान जहाजरानी को प्रतिबंधित करने की योजना,
* 1806 – बर्लिन घोषणा
* ब्रिटेन द्वारा इंग्लिश चैनल की स्वयं ही नाकेबंदी
* 1807 – मिलान घोषणा – तटस्थ देश भी शामिल
* 1812 तक चली – असफल
* बाल्टिक पर ब्रिटिश नियंत्रण से पूर्वी यूरोप में अस

GENERAL STUDIES HINDI

http://gshindi.com

Scanned by CamScanner

यूरोप पर प्रभाव

"नेपोलियन, क्रांति के आंदोलन में जो कुछ भी तार्किक, वैधानिक तथा यूरोपीय था, उन सबकी अभिव्यक्ति था।"
- गेटे

नेपोलियन की अधीनता में यूरोपीय राज्यों को चार चरण से गुजरना पड़ा :-
I. सैनिक विजय एवं अधिग्रहण,
II. स्थानीय लोगों की सहायता से आश्रित राज्यों की स्थापना
III. आंतरिक सुधार एवं पुनर्गठन - जर्मनी, इटली
IV. बेल्जियम, राइन के पश्चिमी क्षेत्र

कम्मी प्रथा एवं सामंतवाद की समाप्ति
नेपोलियन कोड
चर्च के प्रति फ्रांस वाली नीति और धार्मिक सहिष्णुता,
करों तथा अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण,
राजा के सरकारी तथा निजी व्यय का पृथक्करण,
यूरोप में राष्ट्रवाद की भावना का उदय
स्पेन, पौलैंड, जर्मनी, इटली
पवित्र रोमन साम्राज्य की समाप्ति।

वियना व्यवस्था

एक समझौता था जो पुरानी परंपरा के सम्राटों तथा ...जात वर्गीय राजनयिकों द्वारा बनाया गया था, जिसमें ... सदी की भावना निहित थी।
...राष्ट्रवाद को नजर-अंदाज करना मुख्य त्रुटि,
पवित्र रोमन साम्राज्य के विघटन को मान्यता,
अपेक्षाकृत शक्तिशाली फ्रांस की स्थापना,
जर्मनी, पोलैण्ड, बेल्जियम, इटली का समाधान नहीं।
* यूरोपीय कन्सर्ट की स्थापना

मेटरनिख व्यवस्था ~~(यूरोपीय कन्सर्ट)~~

विशेषताएँ
* राष्ट्रवाद का विरोध - क्योंकि विविधतापूर्ण ऑस्ट्रियाई साम्राज्य के लिए यह घातक
* लोकतंत्र एवं उदारवाद का विरोध
* यूरोपीय कन्सर्ट का दुरुपयोग।
(शांति स्थापना के नाम पर यूरोप की पुलिस व्यवस्था)
- ऑस्ट्रिया की सेना विद्रोह दबाने नेपुल्स भेजी गई
- यूरोपीय कन्सर्ट में विभिन्न देशों के विरोधी हित, स्पेन के द. अमेरिकी उपनिवेश का मुद्दा (मुनरो सिद्धांत)
-

1830 की क्रांति (जुलाई क्रांति)

कारण -
- चार्ल्स दशम का स्वेच्छाचारी शासन
- प्रेस भाषण पर प्रतिबंध
- पादरियों एवं कुलीनों को विशेषाधिकार
- प्रतिक्रियावादी प्रधानमंत्री की नियुक्ति, विरोध होने पर
- चार दमनकारी अध्यादेश

परिणाम और महत्व -
- बूर्बो वंश की शाखा की सत्ता समाप्त,
- निरंकुश राजतंत्र के स्थान पर जनता द्वारा स्वीकृत राजतंत्र,
- प्रो. हेज - "फ्रांस की जुलाई क्रांति का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम मध्य वर्ग की विजय था"
- "1830 की क्रांति आधे रास्ते रुक गई" - विक्टर ह्यूगो (क्योंकि गणतंत्र की स्थापना नहीं की)
- वियना व्यवस्था में दरार उत्पन्न कर दी,
- स्विटजरलैंड में सुधार एवं लोकतंत्रात्मक संविधान
- इंग्लैंड में 1832 के संसदीय सुधार
- बेल्जियम में क्रांति - हालैण्ड से पृथक हो स्वतंत्र राज्य
- यूनान की स्वतंत्रता

GENERAL STUDIES HINDI

Scanned by CamScanner

कारण - • मताधिकार ...

•

यूरोप पर प्रभाव

- ऑस्ट्रिया में संविधान निर्माण तथा लोकतंत्र स्थापना की माँग माननी पड़ी।
- वेनिस द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा
- सार्डिनिया द्वारा ऑस्ट्रिया के विरुद्ध युद्ध
- जर्मन संसद का आयोजन
- बवेरिया में उदार शासन की स्थापना

असफलता

- मुख्यतः नगरीय क्रांतियाँ थी।
- बुद्धिजीवियों की क्रांति,
- यूरोप में इसी समय भयंकर महामारी का प्रकोप था

परिणाम

- फासिज्म एवं समाजवाद के बीज बो दिए गए।
- मेटरनिख के प्रतिक्रियावाद की समाप्ति,
- पूर्वी यूरोप में सामंतवाद की समाप्ति,
- श्रमिक आशाओं का नष्ट होना → समाजवाद, वर्गचेतना
- यथार्थवाद - * राष्ट्रवाद का सैन्य ताकत की ओर झुकाव
  * वैज्ञानिक समाजवाद

GENERAL STUDIES HINDI

उदारवाद

*** 1870 के पूर्व**

- सीमित मताधिकार, व्यक्तिगत अधिकार की संवैधानिक गारंटी के साथ लोकप्रिय सरकार
- उन्मुक्त व्यापार का समर्थन
- चर्च विरोध, धार्मिक हस्तक्षेप का विरोध
- राष्ट्रवाद से घनिष्ठ संबंध
- मुख्य विरोधी - अभिजात, पादरी और सैनिक वर्ग

*** 1870 के पश्चात**

- अब मध्य वर्ग के पास संपत्ति और सत्ता, अतः परिवर्तनों का विरोध,
- उदारवाद में उनका स्थान सर्वाहारावर्ग ने ले लिया
- नए उदारवादियों द्वारा लोक कल्याण के लिए आर्थिक गतिविधियों में हस्तक्षेप व सरकारी हस्तक्षेप की ...
- उदारवाद, अंतर्राष्ट्रवाद की ओर झुका किंतु अंतर्राष्ट्रीय संकट एवं युद्ध के समय राष्ट्रवाद निष्ठा प्राप्त करने में सफल।

*** 19 वीं सदी में ब्रिटेन में उदारवादी एवं प्रजातांत्रिक विका...**

- 1833 में ब्रिटिश साम्राज्य में दासता की समाप्ति,
- शहरों में म्युनिसपल कार्पो. स्थापित कर स्थानीय लो... को प्रशासन में भागीदारी
- 1833-1847 के मध्य फैक्ट्री में महिलाओं एवं बच... के नियमन हेतु कानून
- कार्न लॉ 6 को 1846 में हटा लिया गया।

Scanned by CamScanner

• 1918 – महिलाओं को ...

चार्टिस्ट आंदोलन

• औद्योगिक सर्वहारा 1832 के सुधार अधिनियम से असंतुष्ट।

• 1838 में 6 सूत्रीय चार्टर

* सर्वव्यापक पुरुष मताधिकार,
* गुप्त मतदान
* संसद सदस्यता के लिए संपत्ति की योग्यता का समाप्ति
* संसद सदस्यों के लिए वेतन
* समान निर्वाचन क्षेत्र
* वार्षिक चुनाव।

• तात्कालिक रूप से असफल परन्तु आगे वार्षिक चुनाव के अतिरिक्त अन्य माँगे मान ली गई।

(मान) ले तुम आदमी हो, उसके बाद किसी देश के नागरिक अन्य कुछ।

– मेजिनी

औद्योगिक क्रांति

इंग्लैण्ड में आवश्यक परिस्थितियाँ

* वहाँ के लोगों में गत्यात्मकता एवं राष्ट्रीय संपदा भी गत्यात्मक
* कृषि क्रांति
* फ्रांस एवं अन्य देशों की विपरीत श्रमिकों की आपूर्ति
* कच्चा माल, बाजार दोनों ही उपलब्ध
* मालवाही जहाज, औपनिवेशिक साम्राज्य एवं प्रगतिशील व्यापारी वर्ग,
* बैंकिंग, साख एवं सट्टा कंपनियों के कारण मौद्रिक गत्यात्मकता
* नए यांत्रिक अविष्कार
  • जान के – फ्लाइंग शटल
  • कताई के लिए स्पिनिंग जेनी एवं आर्कराइट द्वारा एक नया संयंत्र,
  • इली व्हिटनी द्वारा बुनाई के लिए उपकरण
  • इब्राहिम डर्बी – लोहा गलाने की प्रक्रिया,
  • परिवहन के क्षेत्र में क्रांति – नहरें, रेलवे
  • वाष्प इंजन

परिणाम

* सामाजिक संरचना पर प्रभाव – वर्गवाद
* साम्राज्यवाद एवं साम्राज्यवादी नीति में परिवर्तन,
* नवीन राजनैतिक विचार धाराओं का उद्भव – लैसेज फेयर
* नए कानूनों की आवश्यकता – फैक्ट्री कानून
* शास्त्रीय अर्थशास्त्र की प्रधानता

GENERAL STUDIES HINDI

http://gshindi.com

Scanned by CamScanner

समाज का पुनर्गठन, कोष

• श्रेष्ठ वैज्ञानिकों, कलाकारों आदि को योग्यतानुसार पुरस्कार
ने के पक्ष में।

चार्ल्स फौरियर – • सारी बुराइयों की जड़ प्रतिस्पर्धा,
• स्वैच्छिक सहयोग समितियों द्वारा कृषि एवं उद्योग पर
नियंत्रण,
• माल-मुनाफे के बँटवारे का फार्मूला।

लुई ब्लाँ – • सामाजिक कार्यशाला की स्थापना द्वारा पूँजीवाद
की बुराइयों की समाप्ति,
• आर्थिक के पूर्व राजनीतिक शक्ति,

रॉबर्ट ओवेन –

र्क्सवाद –

विशेषताएँ –
* इतिहास की आर्थिक व्याख्या,
* वर्ग संघर्ष
* अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत,
* साम्यवाद की अनिवार्यता,
* अंतर्राष्ट्रवाद

प्रथम इंटरनेशनल एवं समाजवाद की प्रगति

* मार्क्स (पूँजीवादी व्यवस्था का खात्मा) एवं बाकुनिन (राज्य का खात्मा) के बीच विवाद,
* पेरिस कम्यून में भूमिका – कम्यून के हिंसक हो जाने से समाजवाद की प्रगति बाधित की।
* 1875 जर्मनी में गोथा सम्मेलन में मार्क्सवादियों एवं लैसेलियन वादियों के बीच समझौता – जर्मन सोशल डेमो॰ पार्टी की स्थापना।
* फ्रांस में कठोर मार्क्सवादी गेसडे और संभावनावादी ब्राउसे एवं समाज सुधारवादी जीन जोरे – एकीकृत समाजवादी पार्टी की स्थापना नहीं हो पाई।
* इंग्लैंड में हिंडमैन ने जर्मन नमूने पर सो॰डेमो॰फेडरेशन की स्थापना की।
* 1889 में द्वितीय इंटरनेशनल की स्थापना – 1914 तक चलता रहा
* इटली एवं स्पेन में कुक्रान्तिवादियों का प्रभाव,
* पूँजीवाद के मध्यवर्गीय आलोचक फेबियन समाजवादी बन गए – जार्ज बर्नार्ड शा आदि।
* आगे अधिकांश देशों में समाजवाद संसदीय समाजवाद में परिवर्तित हो गया।

* श्रमिकों का मूल बल अधिकाधिक सुविधाओं की प्राप्ति पर, न कि, पूँजीवाद के खात्मे पर,
* मार्क्स की श्रमिकों के गरीब होते जाने की अवधारणा गलत

अतः 1890 में संशोधनवाद का दौर :–
* पूँजीवाद को श्रमिक हितों की ओर झुकाया जा सकता है
* कामगारों को मतदान – लोकतंत्र का उनके हित में इस्तेमा

इसकी प्रतिक्रिया में – सिण्डिकलिज़्म
– मार्क्सवादी मौलिक तत्वों की भी पुनरावृत्ति

1903 में रूस की सोश॰डेम॰ पार्टी के सम्मेलन में समझौतावादी

GENERAL STUDIES HINDI

Scanned by CamScanner

संशोधनवाद को मिटाने का प्रयास किया गया। समझौता न करने वाले मार्क्सवादियों को बोल्शेविक कहा गया।
* प्रथम विश्वयुद्ध के बाद मार्क्सवाद राष्ट्रीय समाज का ...
*

मजदूर आंदोलन
* उद्देश्य "पूँजीवाद के सौदा" - मजदूर संघों का निर्माण
* ली चेपियर एक्ट (फ्रांस), कांबिनेशन एक्ट (इंग्लैंड) द्वारा संघों पर प्रतिबंध
* आगे प्रसार बुर्जुआ उदारवाद ने ही यह अधिकार दिया
* पेरिस कम्यून ने प्रतिबंध लगाया,
* बिस्मार्क ने इनसे समझौता किया,
* 1850 के दशक में मजदूर संघों का विस्तार,
* ब्रिटेन में संघवाद अधिक सफल हुआ
* यूरोप में राजनीतिक दलों द्वारा संघों की स्थापना, ब्रिटेन में विपरित।
* 1914 में मजदूर वर्ग क्रांतिकारी मिजाज में नहीं था, क्योंकि,
- जीवन स्तर में सुधार
- मताधिकार
- मजदूर संघों का सुदृढ़ होना'

इटली का एकीकरण
* 1848 तक के प्रयासों की असफलता
* 1848-49 की क्रांतिकारी घटनाओं से कुछ सबक -
• रोमन गणतंत्र की स्थापना - पोप के नेतृत्व से विश्वास उठा, नवगुएल्फ वादियों की प्रासंगिकता समाप्त,
• सार्डिनिया के राजवंश में विश्वास सुदृढ़ क्योंकि, ऑस्ट्रिया से युद्ध किया।
• ऑस्ट्रिया से हार ने विदेशी सहायता की ओर उन्मुख किया।

जर्मन राष्ट्रवाद एवं एकीकरण
* मेजिनी के राष्ट्रवाद के विपरित, व्यक्ति के ऊपर सम्पूर्ण राज्य की सर्वोच्चता
(*) हरडर - राष्ट्रीय आत्मा की अवधारणा - सांस्कृतिक राष्ट्रवाद
हीगेल - राज्य को गौरवान्वित किया।
जोहान फिक्टे - राष्ट्रीय शिक्षण व्यवस्था, जर्मन श्रेष्ठता पर बल देकर आगे के उग्र राष्ट्रवाद को प्रोत्साहन,
(*) एकीकरण में आर्थिक तत्व
- 1815 के बाद औद्योगिकीकरण का आधार निर्मित
- पूँजी व्यवस्था में सुधार, जोलवेरिन,
- रेलों द्वारा एकीकरण
- 1850 के एक अर्थशास्त्रियों के सम्मेलन में एक स्वतंत्र व्यापार तथा संपूर्ण जर्मनी के लिए एक सिक्के की मांग

GENERAL STUDIES HINDI

Scanned by CamScanner

नेपोलियन तृतीय विदेश नीति

* "मैक्सिको का युद्ध नेपोलियन-तृतीय के लिए वैसा ही घातक हुआ, जैसा कि स्पेन का प्रायद्वीपीय युद्ध नेपोलियन प्रथम के लिए।"
  - यूरोप में प्रतिष्ठा गिरी, पौलेण्ड के रूस विरोधी विद्रोह पर उदासीनता,
  - वित्तीय संकट
  - फिर से हटना पड़ा
* जर्मनी को उभरने दिया,
* क्रीमिया युद्ध
* पोप का समर्थन
* साम्राज्य विस्तार - अल्जीरिया, इंडो-चीन

पूर्वी समस्या

* आटोमन साम्राज्य के विघटन के परिणाम स्वरूप यूरोपीय इतिहास में जिस समस्या का जन्म हुआ, उसे पूर्वीय समस्या (Eastern Question) कहते हैं।
* समस्या के कारण
  - रूस का बाल्कन में गहरा हित क्योंकि वहाँ के निवासी स्लाव प्रजाति के एवं ग्रीस-चर्च के अनुयायी थे, जिसका प्रधान रूस था।
  - मध्यवर्ती साम्राज्य की उपस्थिति के लिए टर्की की अखंडता में ब्रिटेन की विशेष दिलचस्पी।
  - कैथोलिक समर्थन की प्राप्ति के लिए फ्रांस का वहाँ हस्तक्षेप,
  - क्रिमिया का युद्ध इन्ही कारणों से एवं इसके बाद पेरिस की संधि - सर्बिया का स्वशासन स्वीकार करके विघटन के द्वार खोला।
  - जर्मनी, इटली में अपनी भूमिका समाप्त होने पर आस्ट्रिया का भी बाल्कन क्षेत्र में रुचि लेना
  - बर्लिन की संधि द्वारा राष्ट्रवाद पर अंकुश लगाने का प्रयास, बोस्निया-हर्जगोविना के सर्ब प्रांतों को आस्ट्रिया के मातहत करना। ⇒ बोस्निया प्रकरण (1908), बाल्कन युद्धों (1912) एवं प्रथम विश्वयुद्ध के लिए पृष्ठभूमि।

यूनान का स्वतंत्रता संघर्ष

प्रेरक कारक
* फ्रांस की क्रांति
* 1804 में सर्बिया के विद्रोह के बाद स्वशासन
* समान धार्मिक भावना
* प्राचीन गौरव के प्रति चेतना
* कोरेज, रीगस के विचार, साहित्य
* अन्य अधीन जातियों से प्रोत्साहन

परिणाम -
* विदेशी हस्तक्षेप के बाद स्वतंत्र
* बाल्कन में रूसी प्रभाव में वृद्धि
* ... की विजय (एड्रियानोपुल की संधि) ... की प्रेरणा

GENERAL STUDIES HINDI

http://gshindi.com

Scanned by CamScanner

क्रिमिया युद्ध के परिणाम

* रूस की महत्वाकांक्षा पर कोई अंकुश नहीं लगा,
* ब्रिटेन का तुर्की साम्राज्य के विघटन पर अंकुश लगाने का प्रयास असफल ही रहा,
* ईसाई जनता के प्रति तुर्क सुल्तान की नीति में कोई परिवर्तन नहीं आया,
* लुई नेपोलियन के यश में वृद्धि हुई, परन्तु इसने उसे अन्य दुस्साहसिक अभियानों, मैक्सिको, ऑस्ट्रिया आदि की ओर प्रेरित किया, जो कि घातक सिद्ध हुआ।
* काबूर को इटली की समस्या के अंतर्राष्ट्रीयकरण का अवसर मिला।
* ऑस्ट्रिया-रूस के मध्य शत्रुता कायम हुई — जिससे इटली जर्मनी के एकीकरण को प्रश्रय मिला।
* जार निकोलस रूस में सुधार करने को बाध्य हुआ।

बर्लिन से मैं सम्मान के साथ शांति लेकर लौटा हूँ।
— डिजरायली

└ • राष्ट्रवाद पर घोर वज्रपात, अतः सब असंतुष्ट,
• तुर्क विघटन नहीं रुका,
• बल्गारिया अपने खोए क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने
• इसी में प्रथम विश्वयुद्ध का मूल छिपा है — सर्ब के राष्ट्रवाद की अनदेखी।

USA का साम्राज्यवाद

* मुनरो घोषणा
* मैक्सिको गणतंत्र पर हमला, टेक्सास का निर्माण
* फ्रांस का मैक्सिको अभियान,
* वेनेजुएला - ब्रिटिश गुयाना सीमा विवाद में सीधी बात-चीत को रोका
* स्पेन से युद्ध - प्यूर्टोरिको एवं क्यूबा, फिलीपिन्स
* सांतो डामिंगो का वित्तीय संकट
* हवाई द्वीप का अमेरिकीकरण एवं कब्जा।

चीन

* रुचि के कारण
  - विशाल बाजार,
  - कच्चे माल की प्रचुरता,

* प्रथम अफीम युद्ध
  - नानकिंग की संधि, 1942
  - 5 बंदरगाह ब्रिटेन के व्यापारियों के लिए खोले गए
  - अन्य देशों में भी विशेषाधिकार प्राप्ति की होड़
  - USA को 'राज्यक्षेत्रातीत अधिकार'
  -

* द्वितीय अफीम युद्ध (1856-
  - एक फ्रांसीसी रोमन कैथोलिक पादरी की गिरफ्तारी से
  - ~~11 बंद~~ तीन्तसिन की संधि,
  - पीकिंग में प्रतिनिधि, 11 बंदरगाह, धर्मप्रचार
    5+11

GENERAL STUDIES HINDI

Scanned by CamScanner

क्याऊ-चाओ का क्षेत्र ...आक्रमण,

* चीन पर प्रत्यक्ष नियंत्रण क्यों नहीं -
  - अमेरिकी मुक्त द्वार नीति,
  - बाक्सर विद्रोह ।

* उत्तर में रूस और जर्मनी, जर्मनी को शांतुंग
दक्षिण में फ्रांस,
यांगत्सी घाटी में ब्रिटेन
फुकिएन प्रदेश में जापान

...न-जापान युद्ध (1894)

...हत्व :- * जापान-ब्रिटेन निकट आए,
* जापान-रूस शत्रुता का जन्म, (रूस द्वारा शिमोनस्की संधि का विरोध,
* चीन की पतनशीलता उजागर — 1911 की चीनी क्रांति की जड़ें इसी में, बॉक्सर युद्ध की पृष्ठभूमि
* जापान को यूरोपीय शक्तियों के साथ सम्मान।
* जापानी साम्राज्यवाद को प्रोत्साहन ।

...-जापान युद्ध (1904-05)

...रण :- * मंचूरिया में रूसी रेलवे लाइन की योजना,
* कोरिया में जापान के हितों की टकराहट,
* शिमानोस्की संधि में प्राप्त रियायतों का रूस द्वारा विरोध,

परिणाम -
- शक्तिशाली राष्ट्रों में जापान की गणना,
- एशिया के लोगों में राष्ट्रीयता एवं गौरव का संचार,
- चीनी क्रांति (1911) की पृष्ठभूमि निर्मित कर दी
- चीन में भावी युद्धों से बचने के लिए मुक्त द्वार नीति,
- कोरिया पर जापानी प्रभुत्व,
- 1905 की रूसी क्रांति ।

बिस्मार्क की विदेश नीति

* यूरोप की शांति को दो ही बातों से खतरा -
  - फ्रांस की प्रतिशोध की भावना से,
  - बाल्कन में ऑस्ट्रिया-रूस की प्रतिस्पर्धा ।

* जर्मनी की रक्षा के लिए उसका मुख्य बल फ्रांस को अलग-थलग रखने पर ।

* ऑस्ट्रिया-रूस को साथ लेकर तीन सम्राटों के संघ को बनाने का प्रयास विफल ⇐ सेंट स्टीफनो संधि के पुनर्निर्धारण में ऑस्ट्रिया की ओर झुकाव ⇒ रूस अलग

* जर्मन-ऑस्ट्रिया गुप्त संधि एवं बाद में इटली को लेकर गुट निर्माण

* ब्रिटेन के प्रति सावधानी, न तो नौसेना बढ़ाने की ओर ..., न ही औपनिवेशिक विस्तार पर जोर ।

GENERAL STUDIES HINDI

http://gshindi.com

Scanned by CamScanner

* 1894 - जापान
* 1895 के बाद रूस का प्रभाव भी बढ़ा,
* 1897-दो जर्मन पादरियों की हत्या पर जर्मन आक्रमण,
क्याऊ-चाओ का क्षेत्र
* चीन पर प्रत्यक्ष नियंत्रण क्यों नहीं -
    - अमेरिकी मुक्त द्वार नीति,
    - बाक्सर विद्रोह ।
* उत्तर में रूस और जर्मनी, जर्मनी को शांतुंग
दक्षिण में फ्रांस,
यांगत्सी घाटी में ब्रिटेन
फुकिएन प्रदेश में जापान

चीन-जापान युद्ध (1894)

महत्व :- * जापान - ब्रिटेन निकट आए,
* जापान - रूस शत्रुता का जन्म, (रूस द्वारा शिमोनस्की संधि का विरोध,
* चीन की पतनशीलता उजागर - 1911 की चीनी क्रांति की जड़ें इसी में, बॉक्सर युद्ध की पृष्ठभूमि।
* जापान को यूरोपीय शक्तियों के साथ समानता
* जापानी साम्राज्यवाद को प्रोत्साहन ।

रूस - जापान युद्ध (1904-05)

कारण :- * मंचूरिया में रूसी रेलवे लाइन की योजना,
* कोरिया में जापान के हितों की टकराहट,
* शिमोनेस्की संधि में प्राप्त रियायतों का रूस द्वारा विरोध,

परिणाम -
- शक्तिशाली राष्ट्रों में जापान की गणना,
- एशिया के लोगों में राष्ट्रीयता एवं गौरव का संचार,
- चीनी क्रांति (1911) की पृष्ठभूमि निर्मित कर दी
- चीन में भावी युद्धों से बचने के लिए मुक्त द्वार नीति,
- कोरिया पर जापानी प्रभुत्व,
- 1905 की रूसी क्रांति ।

बिस्मार्क की विदेश नीति

* यूरोप की शांति को दो ही बातों से खतरा -
    - फ्रांस की प्रतिशोध की भावना से,
    - बाल्कन में ऑस्ट्रिया-रूस की प्रतिस्पर्धा ।
* जर्मनी की रक्षा के लिए उसका मुख्य बल फ्रांस को अलग-थलग रखने पर ।
* ऑस्ट्रिया-रूस को साथ लेकर तीन सम्राटों के संघ को बनाने का प्रयास विफल ⇐ सेंट स्टीफनो संधि के पुनर्निर्धारण में ऑस्ट्रिया की ओर झुकाव ⇒ रूस अलग हो
* जर्मन-ऑस्ट्रिया गुप्त संधि एवं बाद में इटली को लेकर गुट निर्माण
* ब्रिटेन के प्रति सावधानी, न तो नौसेना बढ़ाने की ओर का न ही औपनिवेशिक विस्तार पर जोर ।

GENERAL STUDIES HINDI

http://gshindi.com

Scanned by CamScanner

(–)

* शांतिकाल में युद्ध रोकने के लिए गुट बनाने की नीति का आरंभ ⇒ परंतु इसी कारण जर्मन विरोधी भी बना,
* उसकी ऑस्ट्रिया - इटली तथा रूस को मित्र बनाए रखने की पद्धति अंतर्विरोधों से भरपूर थी।
* उसकी पद्धति में ब्रिटेन को कोई स्थान नहीं था
* वह न तो फ्रांस को निर्बल बना सका, न ही उसके असंतोष को समाप्त कर सका।
* उसकी नीति उसके जैसे असाधारण कूटनीतिज्ञ की प्रतिभा पर ही निर्भर थी।

विलियम कैसर द्वारा परिवर्तन

* उसकी विदेश नीति के तीन मुख्य आधार - विश्व राजनीति, उपनिवेश और नौसेना।
* "इस संसार में हमारे और हमारी सेना के सिवाय कोई दूसरा शक्ति संतुलन सिद्धांत नहीं है।"
* रूस के साथ पुनर्आश्वासन संधि का नवीनीकरण नहीं किया ⇒ रूस-फ्रांस निकटता
* ब्रिटेन - बोअर गणराज्य के राष्ट्रपति पॉल क्रूगर को बधाई का तार, नौसेना में वृद्धि का प्रयास, बर्लिन - बगदाद रेलवे योजना,
तुर्की में विशेष दिलचस्पी

उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवाद

1870 से पूर्व -
* वाणिज्यवादी साम्राज्यवाद
* स्थानीय सौदागरों से माल खरीदना।
* मार्गों की सुरक्षा के लिए कुछेक कार्यालय तथा व्यापारिक केंद्र, * 15 वीं - 16 वीं सदी से प्रारंभ

नया साम्राज्यवाद

* बड़े परिमाण में माल की आवश्यकता,
* सुनियोजित ढंग से पिछड़े इलाकों में प्रवेश,
* अनेक क्षेत्रों में पूँजी लगाई,
* 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में,
* औद्योगिक क्रांति से प्रेरित,

पूँजीवाद एवं साम्राज्यवाद

* जे.ए. हॉब्सन - अतिरिक्त पूंजी संचयन साम्राज्यवाद के लिए जिम्मेदार, यदि पूँजीपतियों को कम मुनाफा एवं अधिक कराधान तथा कराधान से प्राप्त धन जनकल्याण में लगाया जाता तो न पूंजी संचय होता, न ही वास्तविक साम्राज्यवाद होता।
* लेनिन - * पूंजीवाद का अगला चरण साम्राज्यवाद
* पूँजीवादी देश में औद्योगिक एवं वित्तीय शक्तियों की सांठगांठ से विदेश नीति का संचालन।
* कुछ अन्य के अनुसार आयातों की आवश्यकता बुनियादी ... पास कम पूंजी तथा पूंजीपति,

GENERAL STUDIES HINDI

Scanned by CamScanner

"आधुनिक सभ्यता में आस्था उस काल का युगधर्म था, तथा साम्राज्यवादी अभियान उसका जेहाद।"

अफ्रीका

* धर्मप्रचारकों एवं दुस्साहसिक व्यक्तियों का प्रवेश,
* 1885, बर्लिन सम्मेलन - जिस यूरोपीय के अधिकार में तटवर्ती क्षेत्र, उसे भीतरी इलाकों को अधिकृत करने में प्राथमिकता → 15 वर्षों में लगभग पूरे अफ्रीका का बँटवारा
* यूरोपीय आगमन ने कबीलाई समाज तोड़ा, परन्तु दूसरी व्यवस्था का गठन नहीं हुआ।
* साम्राज्यवादी ताकतों की आपसी प्रतिस्पर्धा के कारण स्पेन, इटली जैसे कम शक्तिशाली देशों के उपनिवेश भी बने रहे।
* फसोदा संकट - ब्रिटेन-फ्रांस आमने सामने
* बिस्मार्क की नीतियाँ

पूर्वी एशिया

* द० प्रशान्तमहासागर के द्वीप तथा चीन
*

GENERAL STUDIES HINDI

http://gshindi.com

Scanned by CamScanner